

डॉ. जेफरी हडॉन, बाइबिल पुरातत्व, सत्र 2, बाइबिल पुरातत्व के अनुशासन का परिचय और इतिहास , भाग 2

© 2024 जेफरी हडन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जेफरी हडॉन और बाइबिल पुरातत्व पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 2, बाइबिल पुरातत्व के अनुशासन का परिचय और इतिहास, भाग दो है।

हमारे पास जो अगली कहानी है, वह इंडियाना जोन्स के इतिहास से एक अलग तरह की कहानी है।

वैसे, यदि कोई दर्शक इसके बारे में अधिक पढ़ना चाहता है, तो एक अच्छा स्रोत नील एशर सिल्वरमैन की डिगिंग फॉर गॉड एंड कंटी नामक पुस्तक है। यह उनकी पहली किताब है और वास्तव में उनकी सबसे अच्छी किताब है। लेकिन वह इस पर विस्तार से बताते हैं।

लेकिन वैसे भी, 19वीं सदी के अंत में, जुवेलियस नाम का एक फिनिश अध्यात्मवादी था। और वह सुंदर किंग जेम्स इंग्लिश में सोलोमन से अलौकिक रूप से कोडित मार्ग, कोडित संदेश प्राप्त कर रहा था। और उसका मानना था कि वह जानता था कि टेम्पल माउंट के नीचे मंदिर का खजाना कहाँ है, और वहाँ एक गुप्त मार्ग था।

और उन्होंने पीईएफ की कुछ [फिलिस्तीन एंडोमेंट फंड] रिपोर्टों का अध्ययन किया, लेकिन उन्हें लगा कि उन्हें ठीक-ठीक पता है कि यह खजाना कहाँ है। खैर, कैप्टन मोंटेग पार्कर दर्ज करें। वह एक प्रकार का संभ्रांत ब्रिटिश युवक था जो कुछ रोमांच चाहता था और जुवेलियस और उसकी बकवास में फंस गया था।

और इसलिए, विश्वास करें या न करें, वह इसके झांसे में आ गया और उस समय भारी मात्रा में धन जुटा लिया, \$125,000। यह 20वीं सदी की शुरुआत में था और उन्होंने 1909 में यरूशलेम में सोलोमन के खजाने को खोजने के लिए एक अभियान चलाया। अब, उस तरह के पैसे से, वह कई तुर्क अधिकारियों की हथेलियों को चिकना करने में सक्षम हो गया, उसने इस्तांबुल से अपना फ़रमान या परमिट प्राप्त किया, और यरूशलेम चला गया और जैतून के पहाड़ पर इस खूबसूरत घर को किराए पर लिया, और किसी के व्यवसाय की तरह पैसा खर्च किया, लोगों को काम पर रखना और आपूर्तियाँ खरीदना और न जाने क्या-क्या।

उसके पास 11 महीने थे, इसलिए वह डेविड शहर में इस मार्ग को खोजने की कोशिश में खुदाई कर रहा था। मोंटेग पार्कर ने जो एकमात्र काम किया, वह आधा बुद्धिमान था, वह था इकोले बिब्लिक के लुई विसन, जो एक प्रामाणिक पुरातत्वविद् थे, को नियुक्त करना था।

और इस सारे भ्रम और बड़े पैमाने पर उत्खनन के दौरान, विंसन ने कुछ रिकॉर्ड रखे और वास्तव में इसे 1911 में जेरूसलम सॉर्टरे या अंडरग्राउंड जेरूसलम नामक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया, मुझे लगता है। वैसे भी उसे कुछ नहीं मिल रहा था। वह कुछ खोजने के लिए बेताब था और पैसे खत्म हो रहे थे।

और इसलिए, मोंटेग्यू पार्कर ने टेंपल माउंट के शीर्ष पर स्थित मुस्लिम मंदिर, डोम ऑफ द रॉक के चौकीदार को भुगतान किया। माफ़ करें। और इसलिए, वह और उसके कर्मचारी रात में काले कपड़े पहनकर ऊपर जाते थे, और वे मुस्लिम मंदिर में प्रवेश करते थे, उसे खोलते थे, फर्श साफ करते थे, और मंदिर से टेम्पल माउंट में खुदाई करने लगते थे।

कुछ रातों के बाद, जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, वे पकड़े गए। वे अपने घोड़ों पर सवार हो गए और जितनी तेजी से जा सकते थे उतनी तेजी से जाफ़ा तक पहुंचे और सबसे कम दूरी से अपनी नौका पर चढ़ गए। हर कोई उनका पीछा कर रहा था।

और जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, यह एक अंतरराष्ट्रीय घटना बन गई और अखबारों में छपी। और मोंटेग्यू पार्कर के साथ इस मामले पर बहुत सारे ओटोमन अधिकारी और बहुत सारे ब्रिटिश अधिकारी शर्मिंदा हुए। और नहीं, कुछ भी नहीं मिला।

लेकिन उन्होंने कुछ को खोदा और साफ किया, जिसके बारे में हम बाद में बात करेंगे, वार्न शाफ्ट और कुछ प्रारंभिक प्राचीन जल सुरंगें जो प्राचीन यरूशलेम के लिए पानी उपलब्ध कराती थीं। लेकिन वह जिस चीज की तलाश में थे, उसमें उन्हें सफलता नहीं मिली। पुरातत्वविद् का एक और बुरा उदाहरण आयरिश रॉबर्ट अलेक्जेंडर स्टुअर्ट मैकएलिस्टर या आरएएस मैकएलिस्टर हैं।

उन्होंने पीईएफ के लिए भी काम किया, बहुत बड़ी संख्या में ग्रामीणों को काम पर रखा और काफी हद तक खुद ही काम चलाया। उसके पास एक मिस्त्र का फोरमैन था और उसने गेजर की साइट की खुदाई की। गेजर, जिसके बारे में हम बाद में बात करेंगे, सुलैमान द्वारा दृढ़ किये गये नगरों में से एक था।

बहुत महत्वपूर्ण शहर. और मैकएलिस्टर ने इसकी खुदाई की। मुझे लगता है कि एक बुलडोजर बेहतर काम कर सकता था।

वह एक बड़ी खाई खोदता था और किनारे भर देता था और फिर दूसरी खाई खोदता था और जिस खाई को उसने अभी-अभी खोदा था उसमें फिर से भरता था और मूल रूप से पूरे टीले को पलट देता था। और वह जल्दी से रिकॉर्ड नहीं रख रहा था। करने को बहुत कुछ था।

उसने नियंत्रण खो दिया. और उनके पास कुछ शानदार खोजें, कुछ छोटी खोजें थीं, लेकिन बहुत सारा, अविश्वसनीय मात्रा में डेटा सिर्फ इसलिए खो गया क्योंकि वह रिकॉर्ड नहीं रख सका। उनकी शीर्ष योजनाएँ, प्राचीन दीवारों की उनकी योजनाएँ और बाकी सब कुछ मिश्रित, भ्रमित करने वाला था।

और कुल मिलाकर यह एक विनाशकारी खुदाई थी। और गेजर की बाद में 1960 और 70 के दशक में और बाद में, वास्तव में हाल ही में फिर से खुदाई की गई। लेकिन मैकएलिस्टर का तीन-खंड का काम, उनकी रिपोर्ट, उनकी भयानक कार्यप्रणाली के कारण बहुत सीमित मूल्य की है।

अब, दूसरी ओर, जॉर्ज रीस्नर, जो हार्वर्ड के प्रोफेसर और मिस्रविज्ञानी थे, को अंदर आने के लिए कहा गया क्योंकि उनके पास बाइबिल सामरिया में एक और खुदाई चल रही थी। इसकी शुरुआत एक जर्मन पुरातत्वविद् गोटलिब शूमाकर ने की थी। और वह एक तरह से मैकएलिस्टर और, भगवान न करे, मोंटेग पार्कर के ही शिविर में था।

और इसलिए रीस्नर मिस्र से आए, उच्च अधिकारियों के निमंत्रण पर उनकी जगह ली, और अपने समय के लिए एक अद्भुत काम किया। आप यहां 1908 से 1910 तक की तारीखें देख सकते हैं। वह स्तरों के विभिन्न स्तरों को पहचानने, स्थानों को ढूंढने और सावधानीपूर्वक ऊंचाई लेने में सक्षम थे।

यह एक बहुत बड़ी सफलता थी। और रीस्नर एक बहुत बड़ा, मोटा आदमी था। और आप उनके कार्यकर्ताओं के साथ उनकी तस्वीरें देखेंगे, और आप उन्हें मिस नहीं कर पाएंगे।

लेकिन वह एक हुसियर था। और यहां एंड्रयूज विश्वविद्यालय में, हमारे पास वास्तव में उनका पत्राचार और रिकॉर्ड हैं। परन्तु सामरिया की खुदाई बहुत सफल रही।

जैसा कि आप यहां देख सकते हैं, यह मिट्टी के बर्तनों का एक टुकड़ा है, शायद सामरिया-बर्तन, शायद नहीं, जिस पर कुछ लिखा हुआ है। इसे ओस्ट्राका कहा जाता है। ओस्ट्राकॉन की एक श्रृंखला थी, बल्कि एकवचन, ओस्ट्राका, बहुवचन।

सामरिया में 9वीं और 8वीं शताब्दी के अंत में ओस्ट्राका की एक श्रृंखला पाई गई थी जो बहुत महत्वपूर्ण थी, एक बहुत ही महत्वपूर्ण खोज थी। और रीस्नर था, जो उसकी खुदाई में पाया गया था। मेरे निजी नायकों में से एक टीई लॉरेंस हैं, जो लॉरेंस ऑफ अरबिया के लिए प्रसिद्ध हैं।

और अरब के लॉरेंस, निश्चित रूप से, एक ब्रिटिश सेना के खुफिया अधिकारी थे जिन्होंने वास्तव में अरब सेना के साथ काम किया था और मुख्य रूप से ट्रांसजॉर्डन में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ओटोमन्स को उखाड़ फेंकने में मदद की थी। लेकिन टीई लॉरेंस को वास्तव में एक इतिहासकार और पुरातत्वविद् के रूप में प्रशिक्षित किया गया था। और उन्होंने एक अन्य युवा ब्रिटिश पुरातत्वविद्, लियोनार्ड वूली के साथ कार्केमिश की साइट पर काम किया, जो सीरियाई और मिस्रियों और बेबीलोनियों के बीच एक प्रसिद्ध भयानक लड़ाई का स्थल था, और निश्चित रूप से, एक बहुत प्रसिद्ध प्राचीन शहर था।

लेकिन उन्हें प्रथम विश्व युद्ध से ठीक पहले पीईएफ द्वारा काम पर रखा गया था जब यूरोप पर युद्ध के बादल मंडरा रहे थे; उन्हें सिनाई प्रायद्वीप दोनों का सर्वेक्षण करने के लिए नियुक्त किया गया था। और, फिर, यह विज्ञान की आड़ में था। वे प्राचीन स्थलों और स्मारकों का मानचित्रण और अभिलेखन करना चाहते थे।

लेकिन वास्तव में, उनका काम प्रकृति में अधिक गुप्त और सैन्य था। वे फ़िलिस्तीन तक जाने के लिए मिस्र से सिनाई प्रायद्वीप के रास्ते तलाश रहे थे। और यदि ब्रिटिश सेना फिलिस्तीन पर आक्रमण कर सकती है, जो ओटोमन के नियंत्रण में था, तो वे जानना चाहते थे कि कहाँ जाना है, पानी के स्रोत कहाँ हैं, इत्यादि।

लॉरेंस और वूली ने जंगल का सर्वेक्षण किया, जिसे उन्होंने ज़िन का जंगल, सिनाई प्रायद्वीप कहा, और केदेश बार्निया, ऐन केदेश की साइट को पहचाना, जिसे यहां नीचे केंद्र में चित्रित किया गया है। निःसंदेह, जंगल में 40 वर्षों में से अधिकांश समय इस्राएली वहीं डेरा डाले रहे। लेकिन उन्होंने बहुत सारा सर्वेक्षण कार्य भी किया और बहुत सारी साइटों, प्रतिष्ठानों और शिलालेखों का मानचित्रण किया।

और वे लंदन वापस गए और उस रिपोर्ट को रिकॉर्ड समय में लिखा, और यह ठीक उसी समय सामने आया जब युद्ध छिड़ गया। और इसलिए यह मिस्र में ब्रिटिश सेना के लिए बहुत उपयोगी था कि कैसे उस जंगल से होकर फ़िलिस्तीन में पहुंचा जाए। और, निश्चित रूप से, लॉरेंस आगे बढ़े, और बाकी उनके साथ इतिहास है, क्योंकि उन्होंने सऊदी अरब से मुक्ति की अरब सेना का नेतृत्व किया, अकाबा पर विजय प्राप्त की, और फिर ऊपर और अंततः 1918 में दमिश्क पर विजय प्राप्त की।

ठीक है, हमने पहले अलब्राइट का उल्लेख किया था; हमें वहां उनकी एक ऐसी ही तस्वीर मिली, वह एक जॉन्स हॉपकिन्स स्नातक थे, और शायद सबसे प्रतिभाशाली बाइबिल विद्वानों और प्राच्यविदों में से एक थे, जिनका वे उस समय इस्तेमाल करते थे, शब्दावली और पुरातत्वविद् जो कभी भी रहते थे। उन्होंने मूल रूप से, अपनी बुद्धि में, प्राचीन निकट पूर्व की अधिकांश भाषाओं, यदि सभी नहीं तो, और सभी सामग्री और सभी अध्ययनों में महारत हासिल कर ली थी। वह इसे काफी हद तक दिल से जानता था।

वह निश्चित रूप से एक प्रतिभाशाली व्यक्ति थे। उनके छात्र, और उनके छात्र, और स्कूल में उनके छात्र, यदि आप इसे ऐसा कहना चाहें, तो आज भी जारी हैं। लेकिन आप उनकी ग्रंथ सूची देख सकते हैं, जिसमें लगभग 1,200 वैज्ञानिक प्रकाशन शामिल हैं।

अविश्वसनीय। वह इज़राइल जाएंगे, वह इज़राइल राज्य के बहुत कट्टर समर्थक हैं, और आधुनिक हिब्रू बोलने वाले लोगों को बाइबिल हिब्रू में व्याख्यान देंगे। और, निःसंदेह, वे इसे पसंद करते हैं।

उनकी महान रचना वास्तव में पाषाण युग से ईसाई धर्म तक थी, जो उनकी मान्यताओं और उनके ज्ञान पर उनके बयान की तरह है। और वह उसका क्षेत्र था। अनेक वर्षों से सक्रिय, अनेक प्रकाशनों के संपादक।

फिर, वह येरुशलम में अमेरिकन स्कूल के निदेशक थे। हालाँकि, अलब्राइट का एक अजीब तथ्य यह है: उनकी पहली खुदाई यहीं पर हुई थी, जो यरूशलेम के उपनगरों में से एक, इजरायली समुदाय के बीच में है। और यह एक टीला, एक ट्यूमुलस था, ऐसा कहा जा सकता है।

और वह इसकी खुदाई करना चाहता था, इसलिए उसने इसके ठीक बीच में एक खाई खोदी, जो दुर्भाग्य से, किसी के निचले सिरे की तरह लग रही थी। और इस प्रकार वह स्थल अलब्राइट्स बॉटम के नाम से जाना जाने लगा, हालाँकि इज़रायलियों ने शायद इसे इतनी अच्छी तरह से नहीं कहा था। लेकिन यह एक तूमुलस था, और ये मूल रूप से यहूदा के राजाओं के लिए स्मारक थे।

यरूशलेम के पश्चिम में तुमुली की मात्रा यहूदा के राजाओं की संख्या से लगभग पूरी तरह मेल खाती है। और उनका उल्लेख धर्मग्रंथों में है। और दिवंगत राजा के सम्मान में आग जलाना।

और इसलिए, हमारा मानना है कि उसने जो खोदा वह उनमें से एक था। लेकिन इससे उनकी प्रतिष्ठा का पता चलने के लिए यह सबसे अच्छी शुरुआत नहीं थी। अमेरिकी, शिकागो विश्वविद्यालय पवित्र भूमि में कुछ बड़ा करना चाहते थे।

और इसलिए, उन्होंने जॉन डी. रॉकफेलर की ओर रुख किया, कुछ बहुत अच्छा वित्तपोषण प्राप्त किया, क्लेरेंस फिशर, वास्तुकार और सिरेमिक विशेषज्ञ को काम पर रखा, और मेगिदो के बाइबिल स्थल पर खुदाई शुरू की। और इसका पूरा विचार बस इस साइट को परत दर परत छीलकर आधारशिला तक ले जाना था। और यहां तक कि रॉकफेलर के पैसे से भी, और निश्चित रूप से, द्वितीय विश्व युद्ध से भी कोई मदद नहीं मिली, वे बस उस योजना, उस सपने को पूरा नहीं कर सके।

लेकिन उन्होंने मेगिदो के कई स्तरों को हटा दिया और उसे युद्ध के बाद, या युद्ध से थोड़ा पहले और फिर बाद में कई खंडों में प्रकाशित किया। लेकिन यह एक विशाल, बहुत बड़ी परियोजना थी जिसके तहत कई निर्देशक थे, कुछ ऐसे भी थे, वास्तव में यहां की खुदाई पर बहुत कुछ लिखा गया है, लेकिन कुछ नाटकीय निष्कर्ष मिले हैं और जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे हम उनके बारे में बात करेंगे। यहूदी शोध, जिसके बारे में हमने बात की, सुकेनिक और उनके छात्रों के अधीन जारी रहा।

और कुछ स्थानों पर उन्होंने खुदाई की, फिर से छोटे पैमाने पर, यूरोपीय और अमेरिकियों जैसा कुछ नहीं, लेकिन आराधनालय, यरूशलेम की तीसरी दीवार के खंड, नए नियम के अंत के युग की रक्षात्मक दीवारें, रमत राचेल, यहूदा के राजाओं का एक महल, दक्षिण में जेरूसलम, बीट शेरम, फिर से एक क़ब्रिस्तान, एक यहूदी क़ब्रिस्तान, और अन्य स्थान भी। और फिर, इस तथ्य को बढ़ा-चढ़ाकर पेश न करें कि यह नेल्सन ग्लूक का जीवन एक और तरह का है, शायद हमारे मित्र इंडियाना जोन्स के लिए एक प्रेरणा है। ग्लूक एक यहूदी रब्बी था जिसने जर्मनी में अध्ययन किया और अंततः सिनसिनाटी में हिब्रू यूनिवर्सिटी का अध्यक्ष बना।

लेकिन वह अलब्राइट के शिष्य और छात्र भी थे और उन्होंने अलब्राइट और पुरातत्व से चीनी मिट्टी की चीज़ें सीखीं। और वह एक बहुत ही रोमांटिक शख्सियत थे। उन्होंने बहुत सारे सर्वेक्षण किए, युद्ध से पहले ज्यादातर जॉर्डन के पूर्व में और फिर 1948 के बाद इज़राइल के नेगेव में पश्चिम में।

और उन्हें भी, टीई लॉरेंस की तरह, सीआईए के पूर्ववर्ती ओएसएस [रणनीतिक सेवाओं के कार्यालय] द्वारा सिनाई का सर्वेक्षण करने, नेगेव का सर्वेक्षण करने और उन स्थानों और मार्गों की

तलाश करने के लिए नियुक्त किया गया था, जिन्हें ब्रिटिश सेना ले सकती थी। मिस्र में रोमेल द्वारा पराजित किया गया और फिलिस्तीन में धकेल दिया गया, कैसे पीछे हटें। और इसलिए यह एक महत्वपूर्ण कार्य था जो युद्ध के दौरान उनके पास था। उन्होंने उस स्थान की भी खुदाई की, जिसे टेल अल-खलीफा कहा जाता था, जिसे बाइबिल इलियट के रूप में पहचाना जा सकता है।

और इसलिए, उन्होंने बहुत कुछ किया, बहुत सारी किताबें लिखीं, बहुत सारी लोकप्रिय किताबें लिखीं, उतने वैज्ञानिक प्रकाशन नहीं किए जितने शायद उन्हें पसंद आते। उन्होंने अपनी रिपोर्टें नहीं बनाईं, उनकी बहुत सी रिपोर्टें थीं, लेकिन वह एक बहुत प्रसिद्ध व्यक्ति थे, एक बहुत ही रोमांटिक व्यक्ति, उन्हें अक्सर राइफल के साथ एक जीप में दिखाया जाता था जब वह चारों ओर घूमते थे और अपना सर्वेक्षण करते थे। अरबी में पारंगत और आधुनिक हिब्रू में पारंगत, इसलिए अरबों और इस्राइलियों दोनों के साथ घरेलू संबंध।

एक और, मुझे कहना चाहिए, बाइबिल पुरातत्व के इतिहास में एक रंगीन व्यक्ति कैथलीन मैरी केनियन नाम की एक ब्रिटिश महिला है। और उन्होंने सामरिया में रीस्नर के साथ नहीं, बल्कि बाद के क्रोफुट और अन्य लोगों के साथ, और 1930 के दशक में सुकेनिक के साथ काम किया, लेकिन 1950 और 60 के दशक में जेरिको और जेरूसलम में अपने लिए खुदाई की। और वह मोर्टिमर व्हीलर की छात्रा थी, और इसलिए उसने खाई और स्तरीकरण का उपयोग करके उत्खनन की अपनी शैली की, और जेरिको में बहुत, बहुत लोकप्रिय और बहुत सफल रही।

जेरिको से पढ़ाई पूरी करने के बाद वह जेरूसलम चली गई, लेकिन उन्हें इतनी सफलता नहीं मिली और जेरूसलम में उनके परिणाम उतने शानदार नहीं रहे। और यह महत्वपूर्ण है जब, एक छात्र के रूप में, यदि आप इन पुरातत्वविदों की रिपोर्ट और लोकप्रिय रिपोर्ट और वैज्ञानिक रिपोर्ट पढ़ते हैं, तो आपको यह जानना होगा कि वे कहां से आ रहे हैं और उनकी वफादारी कहां है। दुर्भाग्य से, केन्योन को यहूदी-विरोधी के रूप में जाना जाता था।

वह अज्ञेयवादी थी और अपने विश्वासों को लेकर बहुत जिद्दी थी। अगर कोई ऐसी चीज़ खोजी या उजागर की गई जो उसे ग़लत साबित करती, तो वह उसे नज़रअंदाज कर देती। और इसलिए आपको पढ़ना होगा, जैसा कि हम सभी करते हैं, हमें बहुत आलोचनात्मक ढंग से पढ़ना होगा, और उसकी रिपोर्टों को, फिर से, इसे ध्यान में रखते हुए आलोचनात्मक रूप से पढ़ने की आवश्यकता है क्योंकि उसे कुछ निश्चित कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था, ऐसा कहा जा सकता है।

सुकेनिक और सुकेनिक के छात्रों के परिपक्व होने और उत्खनन शुरू करने के बाद, इज़राइली पुरातत्व फलने-फूलने लगा और आज, यह इज़राइल और पवित्र भूमि के पुरातत्व में एक प्रमुख, प्रमुख शक्ति है, निश्चित रूप से इज़राइल में। लेकिन इसकी शुरुआत छोटे पैमाने पर हुई और वहां से इसका विकास हुआ। तेल कासिले, तेल अवीव के उत्तरी बाहरी इलाके में एक छोटी सी फिलिस्तीनी बस्ती थी, जिसकी खुदाई 1950 में बेंजामिन मजार ने की थी, जो यहाँ ऊपर बाईं ओर का व्यक्ति है।

हासोर इस्राएलियों द्वारा की गई पहली बड़ी खुदाई थी। फिर से, एक प्रमुख पुराने नियम का शहर, सबसे बड़े में से एक, वास्तव में देश में कांस्य युग के दौरान सबसे बड़ा। और सभी इज़राइली, वह मूल रूप से उनका प्रशिक्षण स्थल, उनकी कक्षा थी।

और उन्होंने सहायता करने और इसे कुछ विश्वसनीयता या गंभीरता देने के लिए एक प्रसिद्ध फ्रांसीसी पुरातत्वविद्, जीन पेरौल्ट को काम पर रखा। लेकिन हज़ोर इज़रायली पुरातत्व के लिए एक बड़ी सफलता थी और वहां बहुत सफल, अविश्वसनीय खोज हुई। अशदोद, फिर से, एक प्रमुख फ़िलिस्तीन शहर था, इसलिए वे एक प्रमुख फ़िलिस्तीनी स्थल में विकसित हुए, और इसकी खुदाई मोशे डोटन ने की थी, जो बहुत अच्छी तरह से नहीं की गई थी, और दुर्भाग्य से हासोर जितनी महत्वपूर्ण और सफल नहीं थी।

अराद, जो नेगेव में एक शहर था, जहां इज़राइल का अर्ध-शुष्क दक्षिणी भाग था, रूथ अमीरन और योहानन अहरोनी दोनों द्वारा खुदाई की गई थी। अमीरान शीर्ष दाईं ओर है, अहरोनी मध्य दाईं ओर है। और वह भी मिश्रित परिणाम था।

अहरोनी के अधीन स्तरीकृत नियंत्रण खराब था। अमीरन को साइट के अपने हिस्से में काफी बेहतर सफलता मिली। अब, अमीरन की साइट कुलपतियों, प्रारंभिक कुलपतियों के काल से थी।

यह प्रारंभिक कांस्य युग की साइट थी। सुंदर शहर, बहुत अच्छे से संरक्षित। अहरोनी ने एक लौह युग के किले की खुदाई की, और यह बहुत जटिल था और दुर्भाग्य से, अभी भी पूरी तरह से प्रकाशित नहीं हुआ है।

वे, उनके छात्र, अभी भी इस पर काम कर रहे हैं। दूसरी सबसे बड़ी, शायद हज़ोर को भी पीछे छोड़ते हुए, मसाडा की खुदाई थी। और हममें से कई लोगों ने मसाडा को सुना है, शायद वर्षों पहले इस पर एक टीवी लघु श्रृंखला देखी थी।

लेकिन मसाडा एक युद्धपोत के आकार का चट्टानी पठार था, जिसे आप इसे मृत सागर की ओर देखने वाले यहूदी जंगल में कह सकते हैं। वह मसादा था, या एक किला जो मूल रूप से हस्मोनियन्स, यहूदी राजाओं द्वारा बनाया गया था जिन्होंने पहली शताब्दी ईसा पूर्व में शासन किया था, और फिर हेरोदेस महान और उसके उत्तराधिकारियों द्वारा इसे और विकसित किया गया था। 66 से 70 ईस्वी में यहूदी विद्रोह के दौरान यहूदी विद्रोहियों ने इस पर कब्ज़ा कर लिया और रोमनों के अधीन आ गया।

और निश्चित रूप से, अच्छी तरह से प्रलेखित, फ्लेवियस जोसेफस द्वारा अच्छी तरह से लिखा गया। और इसकी खुदाई यिगल यदीन सेंटर लेफ्ट द्वारा की गई थी, जो पहले इज़राइली पुरातत्वविद् एलीज़ार सुकेनिक के पुत्र थे। यदीन इज़रायली सेना में एक जनरल था, और इसलिए वह एक पुरातत्वविद् और एक जनरल था और उसके बुनियादी ढांचे और खुदाई के संगठन में एक तरह का सैन्य आयाम था।

यह खुदाई पहली ऐसी खुदाई थी जिसमें विदेशी स्वयंसेवक आये और खुदाई की। और इसलिए, दुनिया भर से लोग इज़राइल आए और 1964-65 में मसादा में खुदाई की। और बहुत, बहुत लोकप्रिय।

और यह इज़राइल के दिल और आत्मा की तरह था क्योंकि जोसेफस के अनुसार, मसादा के रक्षकों ने रोमन नियंत्रण में आने के बजाय कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। और इसलिए, इस खुदाई के इजरायली घटक के साथ बहुत मजबूत संबंध था, और दूसरे पक्ष के कुछ तर्कों के बावजूद, यह आज भी है। तो, कुछ महत्वपूर्ण पुरातत्वविदों को यहां सूचीबद्ध किया गया है।

फिर, सभी का निधन हो गया। उनके छात्र और उनके शिष्य अब मैदान में हैं। अमेरिकी क्या कर रहे हैं? खैर, अलब्राइट के बाद, अलब्राइट के छात्र, उनके सबसे अच्छे छात्र जाइरस राइट थे, जिन्होंने हार्वर्ड में पढ़ाया और शेकेम और गेजर में खुदाई की, मैकलेस्टर द्वारा कई दशकों पहले छोड़ी गई आपदा से फिर से कार्यभार संभाला।

राइट और उनके छात्रों ने पुरातत्वविदों को प्रशिक्षित किया जो कमोबेश आज भी काम करते हैं। राइट, मैं जोड़ सकता हूँ, एक ईसाई आस्तिक था। जब वे येरुशलम में स्कॉटिश प्रेस्बिटेरियन चर्च में थे तो हर रविवार को चर्च जाते थे और ईसाई दृष्टिकोण से लिखते थे।

और उनकी प्रसिद्ध किताबों में से एक थी द गॉड हू एक्ट्स। उनका मानना था कि व्याख्या और प्रेरणा के लिए बाइबल की ऐतिहासिक सटीकता एक महत्वपूर्ण घटक है। क्षेत्रीय सर्वेक्षण।

पुरातात्विक खुदाई चलाना महंगा है। किसी साइट की खुदाई करना, उस साइट पर क्या हुआ, यह समझने का प्रयास करने का एक बहुत सस्ता तरीका एक सर्वेक्षण करना है, एक पुरातात्विक सर्वेक्षण करना। इसका सीधा सा मतलब है कि छात्रों और कर्मचारियों के एक समूह को किसी साइट पर सावधानीपूर्वक चलना और सभी विशेषताओं, स्थलाकृति और आपके द्वारा पाए जाने वाले किसी भी इंस्टॉलेशन को नोट करना, साथ ही मिट्टी के बर्तनों को उठाना।

पॉट शर्ड, फिर से, मिट्टी के बर्तनों के टूटे हुए टुकड़े हैं। हम इस बारे में बात करेंगे कि पुरातात्विक व्याख्या में मिट्टी के बर्तन कितने महत्वपूर्ण हैं, और सर्वेक्षण यह काम करेंगे। अब, उनकी सीमाएँ हैं।

आप, निश्चित रूप से, किसी ऐसी साइट पर नहीं जा सकते जो एक निश्चित अवधि के दौरान नहीं बसी थी क्योंकि आपको मिट्टी के बर्तन नहीं मिले थे। हो सकता है कि आपको यह खुदाई में मिले, और हो सकता है कि आपको यह सर्वेक्षण में न मिले। सर्वेक्षण या सतही शेर अक्सर खराब और धिसे-पिटे होते हैं और उन्हें पढ़ना मुश्किल होता है।

लेकिन सर्वेक्षण बहुत अच्छे हैं क्योंकि आप एक बड़ी तस्वीर प्राप्त कर सकते हैं, फिर से, यह समझने के साथ कि इस तस्वीर में अंतराल होंगे, लेकिन आप खुदाई किए बिना, ठीक से खुदाई किए बिना एक बड़ी तस्वीर प्राप्त कर सकते हैं। और इसलिए, मुझे कहना चाहिए कि साइटों या क्षेत्रों की खुदाई की गई थी या, क्षमा करें, छह-दिवसीय युद्ध [1967] के बाद सर्वेक्षण किया गया था जब इज़राइल ने इज़रायली पुरातत्वविदों के इस समूह द्वारा वेस्ट बैंक पर कब्जा कर लिया

था। और इस बीच, जॉर्डन में, एडवेंटिस्ट विद्वानों के एक समूह ने जॉर्डन में साइटों का सर्वेक्षण किया।

ये बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उस समय से, इन साइटों का निर्माण, निर्माण किया गया है, और वह डेटा खो गया होगा। लेकिन अब हमें इस बात का अंदाज़ा हो गया है कि कहाँ बस्तियों के पैटर्न हैं, कहाँ लोग रहते थे और इन बस्तियों का आकार क्या है, भले ही हमने इस सर्वेक्षण डेटा के आधार पर उन सभी की खुदाई नहीं की है। इसलिए, सर्वेक्षण बहुत-बहुत महत्वपूर्ण हैं और आज तक किए जाते हैं।

पुरातत्व एक ऐसा विषय है जो महिलाओं के लिए बहुत आकर्षक है। और बहुत सी बहुत प्रसिद्ध महिला पुरातत्ववेत्ता रही हैं। यह बस एक प्रकार की छिंटाकशी है जिसे मैंने यहां एक साथ खींचा है।

महिलाएं अनुशासन के प्रति आकर्षित होती हैं और बहुत-बहुत अच्छी भी होती हैं। विस्तार से ध्यान दें, मुझे नहीं पता कि यह क्या है, लेकिन बहुत सारी सफल महिला पुरातत्वविद हैं। और कुछ अधिक महत्वपूर्ण, फिर से, यहां दिखाए गए हैं।

कैथलीन केन्योन ऊपर दाईं ओर हैं। क्लेयर एपस्टीन ने 1960 और उसके बाद गोलान हाइट्स में बहुत सारे ताम्रपाषाण अनुसंधान किए। वह वास्तव में एक ब्रिटिश नागरिक थी जो इज़राइल में आकर बस गई और इज़राइली बन गई।

ओल्गा टफनेल, उनके बगल में, उनके बाईं ओर, पेट्री की ब्रिटिश छात्रा थीं और फिर बाद में स्टार्की की। उन्होंने खुदाई की, या न केवल खुदाई की, बल्कि 1938 में अरबों द्वारा उनके निदेशक की हत्या के बाद लाकीश की एक प्रमुख साइट की रिपोर्ट भी लिखी। उन्होंने उन रिपोर्टों को लिखने में 15 साल बिताए, और वे शानदार थे और आज भी उपयोग किए जाते हैं।

डोरोथी गैरोड, आप उसका नाम ऊपर देख सकते हैं, एक प्रागैतिहासिक थी। रूथ अमीरन, यह एक सिरेमिक विशेषज्ञ, हिब्रू में उनकी जीवनी है। क्रिस्टल बेनेट ट्रांसजॉर्डन में एदोम में अपनी खुदाई के लिए प्रसिद्ध थी।

और 1993 में उनका निधन हो गया। उनके दाहिनी ओर रूथ हेस्ट्रिन ने इज़राइल संग्रहालय में काम किया और उस तरह की पंथ वस्तुओं और कलाकृतियों का बहुत अध्ययन किया।

टूडी डोटन इज़राइल में श्रीमती फ़िलिस्तीन थीं। वह पलिशियों की विशेषज्ञ थी, उसने उन पर विस्तार से लिखा और पलिशियों के स्थलों की खुदाई की। बहुत प्रसिद्ध अशशूरविज्ञानी, चैम टैडमोर की पत्नी मिरियम टैडमोर, अपने आप में एक इज़राइल संग्रहालय क्यूरेटर और विद्वान भी थीं। कैरल मायर्स, अपने माथे पर चश्मा लगाए हुए, ड्यूक में द्वितीय मंदिर काल, नए नियम काल के पुरातत्वविद् थे या हैं।

और फिर यहां सबसे नीचे शेरोन ज़करमैन, हिब्रू विश्वविद्यालय में कांस्य और लौह युग के पुरातत्वविद् हैं। दुख की बात है कि यहां की ये सभी महिलाएं गुजर चुकी हैं। उनमें से हर एक,

कैरोल मायर्स को छोड़कर, जो मुझे लगता है कि 90 के करीब है। क्या मेरे पास उसकी जन्मतिथि है? यह 1942 है। ठीक है, तो वह 81 वर्ष की है। वह इतनी बूढ़ी नहीं है, भगवान का शुक्र है।

लेकिन बाकी सभी लोग गुजर चुके हैं। लेकिन एक बिल्कुल नया है, ये अधिक अग्रणी हैं, महिला पुरातत्वविदों की एक पूरी नई फसल या पीढ़ी है जो उनके नक्शेकदम पर आई है और आज फल-फूल रही है। ठीक है, नया पुरातत्व।

यहां हमारी दूसरी प्रस्तुति में यह एक तरह से आखिरी स्लाइड है। और यह 1970 के दशक में लोकप्रिय हो गया। और 1970 के दशक से पहले, पुरातत्वविद् एक साइट पर जाते थे।

वे आवश्यक रूप से हड्डियाँ एकत्र नहीं करेंगे। वे बीज या जले हुए अवशेष एकत्र नहीं करेंगे। वे सिर्फ वास्तुकला, मिट्टी के बर्तनों और कलाकृतियों की खुदाई करेंगे।

और भी बहुत कुछ पाया जाना बाकी है। और इसलिए, नई पुरातत्व मूल रूप से किसी साइट पर समग्र रूप से पहुंचने, जितना संभव हो उतना डेटा प्राप्त करने और पूर्ण डेटा पुनः प्राप्त करने का विचार है। इसका मतलब है कि सभी हड्डियों को इकट्ठा करना, सभी बीजों को इकट्ठा करना, सभी जीव-जंतुओं की सामग्री को इकट्ठा करना, गीली सफाई करना, तैरना और उसमें से सभी कार्बनिक पदार्थों को बाहर निकालना।

और इस तरह आपको उस स्थान पर क्या हुआ, क्या हुआ, क्या घटनाएं हुईं, वहां कौन रहते थे, वे क्या कर रहे थे, इसकी एक बड़ी तस्वीर मिलती है। और यह बहुत, बहुत मददगार है। यह बहुत महंगा है क्योंकि आपको इन सभी विषयों के विशेषज्ञों को अपनी टीम में शामिल करना होगा लेकिन आपको बहुत अधिक डेटा मिलता है।

इसलिए नए पुरातत्व में संस्कृति और दैनिक जीवन के बारे में अधिक उत्तर प्राप्त करने के लिए बहुत सारे मानवशास्त्रीय विषयों को शामिल किया गया है, जिसका पुरातत्व एक हिस्सा है। और जब आप खिरबेट क्रियाफ़ा जैसी साइट देखते हैं जिसमें लगभग कोई सुअर की हड्डियाँ नहीं हैं, तो यह आपको तुरंत बता देता है कि वे लोग सुअर नहीं खा रहे थे। हो सकता है कि हमारे यहां कोई इजरायली साइट हो।

और ऐसी ही चीज़ें, यह ऐसे ही प्रश्नों का उत्तर देता है। और आप उन सभी विभिन्न विशेषज्ञों को देख सकते हैं जिनका उपयोग इस बहु-विषयक दृष्टिकोण में किया जाता है। फिर, महंगा, लेकिन आपकी साइट की एक बड़ी तस्वीर देखने में बहुत मददगार है, न कि केवल बाइबिल पर केंद्रित प्रश्नों का उत्तर देने में।

हमने इज़राइल और फ़िलिस्तीन में जॉर्डन नदी के पश्चिमी किनारे पर जो कुछ हुआ उसके बारे में बहुत चर्चा की है, लेकिन ट्रंसजॉर्डन में पुरातत्व कुछ हद तक समृद्ध हुआ है, और जैसे-जैसे हम बोल रहे हैं, यह गति पकड़ रहा है। इसकी शुरुआत, फिर से, 1946 में जॉर्डन के हाशमाइट साम्राज्य और पुरावशेष विभाग की स्थापना के साथ हुई, जो ज्यादातर ब्रिटिश नेतृत्व में था। जी. लैकेस्टर हार्डिंग, नीचे दाहिनी ओर सिगरेट वाला व्यक्ति, वहां का पहला निर्देशक था।

लेकिन अमेरिकी, ज्यादातर अमेरिकी, और कुछ अन्य समूह, यूरोपीय भी, जॉर्डन आए और जिसे हम पवित्र भूमि का पूर्वी हिस्सा कहते हैं, उसके दूसरे हिस्से का अध्ययन और उत्खनन करना शुरू कर दिया। और वहां के आरंभिक अग्रदूतों में से एक सिगफ्राइड हॉर्न था। और हम वास्तव में आपके पास आ रहे हैं; इसे एंड्रयूज विश्वविद्यालय के हॉर्न संग्रहालय में दर्ज किया जा रहा है; यहीं उन्होंने पढ़ाया था।

हॉर्न की एक तरह की दिलचस्प कहानी है। जब द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ा तो वह एक जर्मन नागरिक था और इंडोनेशिया में एक मिशनरी था। उनकी राष्ट्रीयता के कारण, उन्हें वास्तव में ब्रिटिश युद्धबंदी शिविर में रखा गया था। उन्होंने कैदियों को उनकी हिब्रू और पुराने नियम की कक्षाएं सिखाईं।

लेकिन वह अलब्राइट के छात्र थे और उन्होंने शिकागो विश्वविद्यालय से इजिप्टोलॉजी की डिग्री प्राप्त की थी। और वह अंततः तैयार हो गया, एंड्रयूज कोई बड़ा विश्वविद्यालय नहीं है, लेकिन उसे धन मिला, समर्थन मिला, और वह एक साइट की खुदाई करने के लिए तैयार था। इसलिए, वह अपने समय के सभी प्रमुख दिग्गजों के पास गए और वही सवाल पूछा।

और उन्होंने कहा कि मैं आपको 10 शीर्ष साइटें देने जा रहा हूं जिनका आप उत्खनन करना चाहेंगे यदि आप मेरी तरह शुरूआत कर रहे हों। और, निःसंदेह, यह उसके जीवन का बाद का चरण है; वह पहले से ही 50 वर्ष के थे। एक नाम जो रोलैंड डी वॉक्स, राइट, इजरायली, अलब्राइट और अन्य की सभी सूचियों में था, वह तेल हेशबोन की साइट थी।

और ताल या तेल हिस्बन जॉर्डन में एक साइट है जिसे अधिकांश विद्वान अभी भी बाइबिल हेशबोन मानते हैं। वह पहला स्थल था जिसे जॉर्डन के पूर्वी हिस्से में मूसा के नेतृत्व में इस्राएलियों ने जीत लिया था। यह सीहोन नाम का एक एमोरी राजा था जिसने हेशबोन पर शासन किया था।

और इसलिए, यह बाइबिल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण समय था इसलिए वह ताल हिस्बन की साइट की खुदाई करना चाहता था। और इसलिए, उन्होंने 1967 में वहां शुरूआत की। और उन्होंने अपने सभी समूह को एक साथ इकट्ठा किया और हिस्बन की खुदाई करने गए और छह दिवसीय युद्ध छिड़ गया।

इसलिए उन्हें एक और साल इंतजार करना पड़ा और 1968 में शुरू हुआ। और वह खुदाई 1976 तक चली और 1978 में काम चला। और वहां बहुत सारी चीज़ें मिलीं।

हालाँकि सीहोन एमोरी के समय से कोई खोज नहीं हुई। और यह ऐसी चीज़ है जिसके बारे में हम बाद में बात करेंगे। लेकिन मूल हेशबोन अभियान से, जिसे उन्होंने इसे कहा, मदाबा मैदान परियोजना आई।

मदाबा मैदान मध्य जॉर्डन है, टेबललैंड को हिब्रू में मिशोर, हा मिशोर के नाम से जाना जाता है। यह एक एडवेंटिस्ट परियोजना थी, और एडवेंटिस्ट स्कूलों ने मदाबा मैदानों में विभिन्न स्थलों की खुदाई शुरू की। उन्होंने अपने क्षितिज का विस्तार किया, कई स्थलों की खुदाई की और सर्वेक्षण भी किया।

और इसलिए, हमें यहां एंड्रयूज विश्वविद्यालय में अपने कुछ कार्यों पर बहुत गर्व है जो मदाबा के मैदानों में चल रहे हैं। जॉर्डन में अनुसंधान की वर्तमान स्थिति मिश्रित है और हमें जॉर्डन के अधिकारियों के साथ संचार में कुछ समस्याएं आई हैं। फिर, मैं 2023 में बोल रहा हूं, लेकिन हमें उम्मीद है कि हम वहां कई वर्षों तक काम करेंगे।

एक और महान व्यक्ति जिसका मुझे उल्लेख करना है वह हैं विलियम जी. डिएवर। अब वह जर्नस राइट का छात्र था, फिर से वह अलब्राइट का छात्र था, इसलिए यदि आप उस शब्द का उपयोग करना चाहते हैं तो वह तीसरी पीढ़ी का अलब्राइटियन है। और वह अभी भी जीवित हैं, फिर से जब हम यहां बात कर रहे हैं तो वह 89 वर्ष के हैं।

और वह कुछ-कुछ रंगीन व्यक्तित्व का है। उनके कुछ दोस्त उन्हें वाइल्ड बिल कहते हैं, और कुछ अन्य उन्हें शॉक रॉकर ओज़ी ऑस्बॉर्न के समकक्ष पुरातात्विक के रूप में पहचानते हैं, और हम इसे एक मिनट में समझाएंगे। वह एक व्यक्तिगत जीवन है, और फिर, मैं हमेशा अपने छात्रों से कहता हूं कि वे समझें कि वे किसे पढ़ रहे हैं।

और यदि आप किसी पुरातत्वविद् की रिपोर्ट पढ़ रहे हैं, तो जानें कि वह क्या है, उसकी मान्यताएँ क्या हैं। और वे कहां से आ रहे हैं, क्योंकि इससे, भले ही वे ऐसा न करने का प्रयास करें, यह उनकी व्याख्या को प्रभावित करेगा। वह एक बहुत ही रूढ़िवादी ईसाई माहौल में पले-बढ़े, मूल रूप से उससे दूर चले गए, वह बन गए जिसे वे यहूदी अज्ञेयवादी मानवतावादी कहते हैं।

और 1970 और 1980 के दशक में उन्होंने मूल रूप से बाइबिल पुरातत्व शब्द को खत्म करने के लिए एक धर्मयुद्ध शुरू किया, एक तरह का व्यक्तिगत धर्मयुद्ध। उन दो शब्दों को एक साथ न रखें। उन्होंने महसूस किया कि बाइबल के शौकीनों के एक समूह द्वारा बाहर जाकर बाइबिल के इतिहास के साक्ष्य खोजने की कोशिश से वैज्ञानिक अनुशासन सस्ता हो गया है।

वह इसे सीरियल फ़िलिस्तीनी पुरातत्व या अन्य शब्दों में, लेकिन बाइबिल पुरातत्व नहीं, कहने में बहुत सफल रहे। दुर्भाग्य से, इससे ईसाई मदरसों और कॉलेजों को भारी मात्रा में नुकसान हुआ। वे खुदाई पर पुरातत्वविदों को भेजने से पीछे हट गए, अपने कार्यक्रमों से पुरातत्व को हटा दिया और अनुशासन से भी दूर हो गए।

हालाँकि, डिएवर, मुझे नहीं लगता कि उसने कभी इसे स्वीकार किया है, उसने एक तरह से मुंह फेर लिया है और वास्तव में इस अनुशासन में रुचि को पुनर्जीवित करने के लिए ठोस प्रयास किए हैं, जिसे वह अभी भी बाइबिल पुरातत्व नहीं कहना चाहता है। और वास्तव में, फील्डवर्क को प्रोत्साहित करने के लिए विज़िट ने रूढ़िवादी ईसाई कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का दौरा किया है। और उनके कुछ छात्र रूढ़िवादी ईसाई हैं और ऐसा कर रहे हैं।

लेकिन उन्होंने इसमें ईसाई भागीदारी को कम करके बाइबिल पुरातत्व के अनुशासन को बहुत नुकसान पहुंचाया। और इसलिए, डिएवर एक मिश्रित बैग की तरह है। उन्होंने कुछ बेहतरीन किताबें लिखी हैं, जिनमें से एक है बाइबिल के लेखकों को क्या पता था और उन्हें यह कब पता

था? जो मूल रूप से अगली स्लाइड का उत्तर है जिसे हम दिखाने जा रहे हैं, और अन्य जो अधिक हैं, मैं कहूंगा, विवादास्पद हैं।

क्या भगवान की कोई पत्नी थी? फिर, प्राचीन इज़राइल में एक देवी का विचार। और इसलिए डिएवर एक तरह से मिश्रित स्वभाव का है और वह एक बहुत ही रंगीन व्यक्ति है, लेकिन वह अभी भी अपने उन्नत वर्षों में सक्रिय है और बात करने और सुनने के लिए एक दिलचस्प व्यक्ति है। ठीक है, और फिर अंततः हमारे पास विद्वानों का एक समूह रह गया है जिन्हें मिनिमलिस्ट कहा जाता है।

वे खुद को ऐसा कहलवाना पसंद नहीं करते, लेकिन दूसरे लोग उन्हें यही बुलाते हैं। और मैं यह स्लाइड दिखाता हूँ, और मैं डिएवर की स्लाइड दिखाता हूँ, आपमें से उन लोगों के लिए जो ऑनलाइन सामान देखते हैं या किताबें खरीदते हैं क्योंकि इनमें से बहुत से लोग बहुत सारी किताबें लिखते हैं। वे हमेशा टीवी विशेष या इतिहास चैनल विशेष पर होते हैं, और उनके सामने एक माइक्रोफोन होता है, और वे ऐसी बातें कह रहे हैं जिनके बारे में हमें बात करने की ज़रूरत है क्योंकि यह काफी विवादास्पद है।

वे विभिन्न जातीयता और मूल के हैं। हमारे पास डेन हैं, हमारे पास अमेरिकी हैं, हमारे पास ब्रितानी हैं, हमारे यहां इजरायली हैं जो न्यूनतमवादी भी हैं। और वे ऐसी बातें कहते हैं, उनका धर्मग्रंथ के प्रति बहुत ही संदेहपूर्ण दृष्टिकोण है और लगभग इस हद तक है, और मैंने यहां मिनिमलिस्ट शब्द का उपयोग किया है, और मुझे लगता है कि उनमें से कुछ के लिए यह बिल्कुल सटीक है।

उनमें से कुछ में काली बातें हैं जिन्हें वे सामने नहीं लाते हैं, लेकिन यहूदी-विरोधी प्रकार के मूल्य हैं, और यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन इन लोगों द्वारा लिखे गए किसी भी प्रकार के साहित्य या पुस्तकों या लेखों को आलोचनात्मक रूप से पढ़ने की आवश्यकता है। वे जो कहते हैं उनमें से कुछ शायद अच्छे हैं, लेकिन अन्य बहुत-बहुत विवादास्पद हैं और मेरा मानना है कि उन्हें अस्वीकार करना आसान है। लेकिन वे वहां हैं, और वे मीडिया में हैं।

मीडिया इन लोगों को पसंद करता है और आप उन्हें बहुत साक्षात्कार लेते देखेंगे, और वे बहुत आकर्षक हैं। ऊपर दाईं ओर इज़राइल फिंकेलस्टीन, एक बार फिर, एक बहुत ही शानदार विद्वान, बहुत ही आकर्षक व्यक्ति है जब आप उससे मिलते हैं, लेकिन वह पूरी तरह से बाइबल को खंडित करने की कोशिश करता है और लगभग इस हद तक कि वह जो करता है वह बहुत ही हास्यास्पद है। वैसे भी, लेकिन वे लोग वहाँ हैं और आपको उनसे सावधान रहना होगा।

ठीक है, हमारी प्रस्तुति में अंतिम स्लाइड हमारे पंथ की तरह है जिसे हम यहां एंड्रयूज विश्वविद्यालय में उपयोग करते हैं, और मुझे उम्मीद है कि ईसाई होने के नाते, यदि आप क्षेत्र में काम करते हैं या खुदाई में स्वयंसेवा करते हैं, तो आप इन दावों पर भी कायम रहेंगे। पहला, और यह मेरे सलाहकार, डॉ. रैंडी योंकर द्वारा किया गया है, जो इनके साथ आए: समस्याओं को छोटा न करें या चीजों को समझाने के लिए व्याख्याओं को लंबा न करें। दूसरे शब्दों में, आप जो पाते हैं

उसे बताएं, अपनी बाइबिल संबंधी समझ या व्याख्या के अनुरूप डेटा को तोड़-मरोड़कर पेश न करें।

और दुर्भाग्य से ऐसा बहुत बार होता है। डेटा जितना समर्थन कर सकता है उससे अधिक दावे न करें। मुझे ईमानदार रहना होगा और पूर्ण खुलासा करना होगा, मैंने ऐसा किया है।

और मैंने कहा है, यह ऐसा हो सकता है, और मुझे लगता है कि इसका एक अच्छा संकेत है, और हमें दावे करने से सावधान रहना होगा क्योंकि वे सच नहीं हो सकते हैं। परिणाम प्रकाशित करने में शीघ्रता और पूर्णता रखें। पुरातत्व में यह लगभग एक महामारी समस्या है।

लोग खुदाई करते हैं, लेकिन वे अपनी रिपोर्ट प्रकाशित नहीं करते हैं। हमें समझना होगा - हम इसे बाद में एक स्लाइड में देखेंगे - कि पुरातत्व एक विनाशकारी विज्ञान है। आप वापस जाकर उसी चीज़ की दोबारा खुदाई नहीं कर सकते।

इसलिए, यदि आप अपने परिणाम प्रकाशित नहीं करते हैं, तो वह डेटा खो जाता है। बहुत से लोग अपने परिणाम प्रकाशित नहीं करते हैं। यह बेहतर हो रहा है, और बहुत सारी पुरानी खोजें जो प्रकाशन के लिए पड़ी थीं, सामने आ रही हैं।

लेकिन ये तो करना ही पड़ेगा। मुख्यधारा की छात्रवृत्ति में शामिल हों और काम करें। संकीर्ण मत बनो, और ईसाई संदर्भ में रहो।

विभिन्न पंथों और विश्वासों के लोगों के साथ काम करें और मिलकर काम करें। विभिन्न प्रकार के लोगों और विशेषज्ञों को शामिल करें। हमने नई पुरातत्व स्लाइड में इसके बारे में बात की।

और फिर अंत में, बाइबल के इतिहास को गंभीरता से लें, लेकिन बाइबल को साबित करने का बोझ पुरातत्व पर न डालें। कभी-कभी पुरातत्व बाइबिल को साबित कर सकता है, और कभी-कभी यह पवित्रशास्त्र की सत्यता के लिए मजबूत सबूत दिखा सकता है। लेकिन हमेशा नहीं।

पुरातत्व की सीमाएँ हैं। कभी-कभी यह ऐसा नहीं कर पाता। हमें इसे समझना होगा और सबूतों को ज़बरदस्ती थोपने की कोशिश नहीं करनी होगी।

धन्यवाद।

यह डॉ. जेफरी हडॉन और बाइबिल पुरातत्व पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 2, बाइबिल पुरातत्व के अनुशासन का परिचय और इतिहास, भाग दो है।